Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news

# गुजवि छात्रा का आई.बी.एम. में चयन

*गुजवि की इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा दिशा शर्मा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।*

हिसार, 2 फरवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा दिशा शर्मा का आई.बी.एम. इंडिया लिमिटेड कंपनी में चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने इसके लिए चयनित छात्रा, विभाग व ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल को श्रेय दिया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक अंजन बराल ने बताया कि आई.बी.एम. सूचना एवं तकनीक क्षेत्र की जानी-मानी बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उन्होंने बताया कि इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग की छात्रा दिशा शर्मा का चयन ऑफ कैम्पस प्लेसमैंट में लगभग 500 छात्रों में से हुआ है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि चयनित छात्रा आई.बी.एम. में बतौर टैक्नीकल स्पोर्ट आगामी जुलाई माह में ज्वाइन करेंगी जिसमें शुरूआती 8 माह के लिए प्रशिक्षण मोड्यूल भी होगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल की सहायक तकनीकी अधिकारी डा. प्रेम मेहता ने छात्रा का उत्साह बढ़ाया।

पंजाब केसरी हिसार - 3/2/16

# शोधों की कसौटी पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है गुजवि : प्रो. टंकेश्वर

## ऋग्वेद से रोबोटिक्स काल पर 2 दिवसीय प्रदर्शनी व सैमीनार संपन्न

हिसार, 5 फरवरी (काम्बोज) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय ऋग्वेद से रोबोटिक्स काल तक की सांस्कृतिक निरंतरता पर प्रदर्शनी व समीनार संपन्न हो गया। सैमीनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों को वैज्ञानिक तर्कों व शोधों की कसौटी पर कसने में यह विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि दुनियाभर के देश भारत से प्राप्त ज्ञान वपाण्डूलिपियों को आधार बनाकर शोध कर रहे हैं। आधुनिकविज्ञान केवल 400-से 500 साल पुराना है जबकि भारत में कई हजारसाल पहले चिकित्सा, स्वास्थ्य, खाद्य, बागवानी, कृषि, गणित तथा खगोलीयक्षेत्रों में प्रामाणिक व वैज्ञानिक जानकारियां उपलब्ध होने के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी व सैमीनार से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभीप्रतिभागियों को हमारे प्राचीन इतिहास के बारे में प्रामाणिक जानकारियां मिली हैं।

प्रदर्शनी के बारे में जानकारियां देती वेदों पर वैज्ञानिक शोध संस्थान की निदेशिका सरोज बाला।

इस अवसर पर वेदों पर वैज्ञानिक शोध संस्थान की निदेशिका सरोजबाला ने चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सेमिनार को संबोधित करते बताया कि ज्ञान और विज्ञान का जनक वास्तव में भारत है। वेदों से पूर्व के साहित्य में भी भारत देश में बारह प्रकार की मिट्टी और खाद का जिक्र मिलता है। सरस्वती नदी पर शोध कर रहे डा. अंकित अग्रवाल ने कहा कि लगभग 200 इसा पूर्व सरस्वती नदी सूख गई थी जो उत्तरी भारत इलाके में ही बहती थी। इस दौरान डीन स्टूडैंट सवैल्फेयर प्रो. कुलदीप बंसल व प्रो. एच.सी. गर्ग ने डा. अंकित अग्रवालको स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

## 'बिजनैस एंड मैनेजमैंट' पर कान्फ्रैंस 10 से

**हिसार (काम्बोज):** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस द्वारा 'बिजनेस एंड मैनेजमैंट' विषय पर 2 दिवसीय आठवीं राष्ट्रीय स्तर की कान्फ्रैंस का आयोजन 10 व 11 फरवरी किया जाएगा। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की डीन व निदेशिका प्रो. उषा अरोड़ा ने बताया कि 'मोटार एंड ब्रिक्स वर्सिस क्लिक रिटेलिंगः अपोरच्यूनिटीस एंड चैलेंजिस' व 'ट्रांसफोर्मिंग हरियाणाः ए फलक्रम टू इंस्डस्ट्रीयल ग्रोथ' विषय पर पलीनरी सैशन आयोजित किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श होगा। प्रो. अरोड़ा ने बताया कि फाईनैंस, मार्केटिंग, एचआरएम, इकोनोमिक्स व स्ट्रेटजिक मैनेजमैंट विषयों पर प्रस्तुत होने वाले शोध पत्रों में से एक-एक शोध पत्र को सर्वश्रेष्ठ रिसर्च पेपर सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस दौरान 61 शोध पत्र मैनेजमैंट मोजैक : ट्रैवर्सिंग अक्रोस एसोर्टिड् रिसर्च एरीना नामक सम्पादित पुस्तक में प्रकाशित किए जाएंगे व कान्फ्रैंस में पुस्तक का विमोचन किया जाएगा।

दैनिक सवेरा रोहतक - 6/2/16

# मनोवैज्ञानिक कांउसिलिंग से विद्यार्थी खुद कर सकेंगे समस्या का समाधान

## जीजेयू में प्रत्येक सोमवार को होगा कार्यक्रम, विद्यार्थियों के सामने आने वाले परेशानियों पर होगी चर्चा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के मनोविज्ञान विभाग में फिर से एक नई पहल शुरू की जा रही है। इसके तहत मनोवैज्ञानिक विद्यार्थियों के साथ विस्तृत रूप से विचार साझा करेंगे। वैज्ञानिक विद्यार्थियों से उनके सामने आने वाली परेशानियों को जानेंगे व कांउसिलिंग करेंगे। यह कार्यक्रम प्रत्येक सोमवार को मनोविज्ञान विभाग में आयोजित किया जाएगा, जिसकी समयावधि सुबह 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक होगी। कार्यक्रम में तनाव, कॅरिअर, गुस्सा, आत्मविश्वास, जीवन शैली व प्रतिस्पर्धा विषयों पर बातचीत होगी। इसमें न केवल जीजेयू के स्टूडेंट्स बल्कि बाहरी स्टूडेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। मनोवैज्ञानिकों की ओर से दी जाने वाली यह कांउसिलिंग निःशुल्क होगी। कांउसिलिंग व्यक्तिगत तौर पर की जाएगी व इससे व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### कांउसिलिंग से ऐसे मिलेगा समाधान

वर्तमान में प्रतिस्पर्धा के दौर में पिछड़ने पर विद्यार्थियों में तनाव, गुस्सा, आत्मविश्वास की कमी, कॅरिअर की चिंता आदि कई तरह की परेशानी उत्पन्न हो जाती है। इससे विद्यार्थी बिना सोचे समझे और जल्दबाजी में गलत कदम उठा लेते हैं व दिशाहीन भी हो जाते हैं। ऐसे में जीजेयू में आयोजित होने वाली काउंसलिंग ऐसे स्टूडेंट्स के लिए लाभकारी साबित होगी। कांउसिलिंग में जरूरतमंद स्टूडेंट्स से व्यक्तिगत तौर पर समस्या जानी जाएगी व इससे निजात पाने के टिप्स दिए जाएंगे। स्टूडेंट्स को इस तरह की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़े, व्यक्तित्व विकास हो, तनाव कम हो व धैर्य में बढ़ोतरी हो। इससे विद्यार्थी समस्या उत्पन्न होने पर खुद ही उसका हल निकाल पाएंगे।

### कांउसिलिंग की है आवश्यकता

बढ़ते दबाव को देखते हुए वर्तमान समय में स्टूडेंट्स को कांउसिलिंग की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए और छात्र व छात्राओं की कांउसिलिंग की जाएगी। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे विकट परिस्थितियों से निपटने में सक्षम होंगे।''

**प्रो. संदीप राणा, विभाग अध्यक्ष मनोविज्ञान, जीजेयू।**

दैनिक भास्कर - 8/2/16

# गुजवि के वीसी प्रो. टंकेश्वर को एक्सीलेंस अवार्ड

गुजवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते हुए।

**जागरण संवाददाता, हिसार :** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अमेटी एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह पुरस्कार अमेटी विश्वविद्यालय नोएडा में हुए 16वें इंटरनेशनल बिजनेस हॉरीजन में दिया गया।

कुलपति को दिए गए सम्मान पत्र में अमेटी विश्वविद्यालय द्वारा कहा गया है कि प्रसिद्ध शिक्षक एवं वैज्ञानिक प्रो. टंकेश्वर कुमार का शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में महान योगदान है। विज्ञान के प्रसार में भी लगातार कार्य कर रहे हैं। उनके अनेक शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, संपादकीय मंडलों तथा समितियों महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित भी कर रहे हैं। शिक्षा व शोध के क्षेत्र में कई मापदंड स्थापित कर चुके प्रो. टंकेश्वर वास्तव में अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं। यह पुरस्कार उनके इन्हीं कार्यों को देखते हुए प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार यूजीसी के पहले नेशनल प्रोफेसर हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के अलावा यह सम्मान आइआइएफटी के कुलपति डा. सुरजीत मितरा, केंद्रीय विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति डा. जेएल कौल तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ओपन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम असलम को भी दिया गया है।

## बेटियों को पढ़ा रहे देश के लोग : प्रो. टंकेश्वर

**जासं, हिसार :** दयानन्द महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा बेटी बचाओ एवं बेटी पढ़ाओ को लोगों पर असर दिख रहा है। आज देश के लोग अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए विद्यालयों में भेज रहे हैं। उन्होंने एनएसएस स्वयं सेवकों से आह्वान किया कि वे भी इस कार्य में अपना योगदान दें तथा इस मुहिम को आगे बढ़ाए। इसी के साथ उन्होंने महाविद्यालय के एक राष्ट्रीय जर्नल का भी विमोचन किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पवन कुमार शर्मा, एनएसएस अधिकारी तथा अन्य अध्यापकों आदि मौजूद थे।

दैनिक जागरण - 11/2/16

# HONOUR FOR HISAR UNIVERSITY VC

Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, has been conferred with Amity Academic Excellence Award by Amity University, Noida, in the 16th Internal Business Horizon - INBUSH Era-2016. The award with citation was given by Dr Gurinder Singh, Additional Group Vice-Chancellor, Amity University, Noida, and Prof Nick Petford, Vice-Chancellor, University of Northampton, UK.

Mail today - 12/2/16

# जीजेयू में बनेगा शूटिंग रैंज सेंटर

## 10 मीटर इनडोर में राइफल व पिस्टल केटेगरी में निशानेबाजी कर सकेंगे खिलाड़ी

भास्कर न्यूज | हिसार

निशानेबाजी का शौक रखने व इसमें प्रतिभा का जौहर दिखाने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। जीजेयू में शूटिंग रेंज सेंटर बनाया जाएगा। सेंटर बनाने के लिए प्रपोजल बनाकर भेजा गया है। 10 मीटर इनडोर सेंटर में राइफल व पिस्टल से निशाना लगाने की व्यवस्था की जाएगी। शूटिंग की इन दो केटेगरी में निशाना लगाने के लिए वेपन खरीदे जाएंगे व टारगेट की व्यवस्था की जाएगी। जीजेयू खेल प्रशासन ने इसके लिए 10 लाख रुपये का बजट बनाया है। जीजेयू में शूटिंग सेंटर बनने से विद्यार्थियों को काफी फायदा होगा।

जीजेयू खेल विभाग निदेशक एसबी लूथरा ने बताया कि इससे पहले जीजेयू में बाकी खेलों का अभ्यास करने व प्रतियोगिता करवाने की व्यवस्था तो थी, लेकिन शूटिंग की नहीं थी। शूटिंग सेंटर में जीजेयू के विद्यार्थियों के अलावा बाहर के निशानेबाज भी अभ्यास कर सकेंगे, इसके प्रावधान पर भी विचार किया जाएगा।

### अभ्यास के साथ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन

शूटिंग रेंज सेंटर बनने के बाद विद्यार्थी निशानेबाजी का अभ्यास करने के साथ ही प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवा जा सके इसके लिए भी नीति बनाई जाएगी। 10 मीटर शूटिंग सेंटर में एक साथ 5 प्रतिभागी निशाना लगा सकेंगे। सेंटर के लिए पारित बजट के हिसाब से राइफल, पिस्टल व टारगेट खरीदने का काम किया जाएगा। सेंटर बनवाने के बाद रिस्पोंस के आधार पर भविष्य में सेंटर को बड़े पैमाने पर भी स्थापित किया जा सकता है।

### शूटिंग सेंटर इसलिए खास

इससे पहले शहर में किसी भी सरकारी संस्थान में शूटिंग सेंटर नहीं बनाया गया है। शूटिंग करने के लिए वेपन बहुत महंगे आते हैं, इनकी कीमत लाखों में होती है। इसी कारण शूटिंग के माहिर खिलाड़ी भी संसाधनों के अभाव में प्रतिभा दिखाने से वंचित रह जाते हैं। वहीं शूटिंग प्रतियोगिता ओलंपिक गेम में भी शामिल है। इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं का आयोजन होने से खिलाड़ियों में शूटिंग के प्रति रुचि बढ़ेगी।

### जल्द मिलेगी प्रपोजल की स्वीकृति

शूटिंग सेंटर बनवाने की मांग लंबे समय से थी। सेंटर बनने से खिलाड़ियों को शूटिंग में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकेगा। शूटिंग सेंटर बनवाने के लिए प्रपोजल तैयार है। इसके पारित होते ही जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। इससे यहां के विद्यार्थियों के अलावा बाहर के निशानेबाज भी अभ्यास कर सकेंगे। ताकि वे बेहतर खिलाड़ी बन सकें।"

**प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू।**

दैनिक भास्कर 15/2/16